An E-Newsletter of

DEVI Sansthan

TRANSFORMATION IN EDUCATION

dignityeducation.org
DIGNITY EDUCATION VISION INTERNATIONAL
DEVI Sansthan

Lucknow : May - 2026 Issue - 10

लखनऊ में दो दिवसीय शैक्षिक बैठक 'लीडरशिप सर्किल 5' का भव्य शुभारंभ

बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता (FLN) के लिए पथ का निर्माण

विभिन्न राज्यों से आये प्रतिनिधियों द्वारा दीप जलाते हुए

सभा को सम्बोधित करते हुए डॉ. दिनेश शर्मा

सभा को सम्बोधित करते हुए श्री सन्दीप सिंह जी

डॉ. सुनीता गांधी, संस्थापिका देवी संस्थान एवं कार्यक्रम की संयोजिका

देवी (DEVI) संस्थान की संस्थापिका और संयोजिका डॉ. सुनीता गांधी के नेतृत्व में आयोजित दो दिवसीय शैक्षिक बैठक 'लीडरशिप सर्किल 5' का 5 मई 2026 को वर्ल्ड यूनिटी कन्वेंशन सेंटर, सिटी मोंटेसरी स्कूल, कानपुर रोड, लखनऊ में भव्य शुभारंभ हुआ। मुख्य अतिथि, उत्तर प्रदेश सरकार के बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री संदीप सिंह ने अपने उद्घाटन भाषण में पूरे उत्तर प्रदेश के सभी जिलों में अल्फ़ा (ALfA) पद्धति का विस्तार करने की राज्य सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय शिक्षा रैंकिंग में 23वें से 7वें स्थान पर आ गया है, और राज्य के 1.34 लाख सरकारी स्कूलों में से 96%–97% स्कूलों को 19 बुनियादी ढांचा मापदंडों के तहत स्तर को उंचा किया गया है। इसके साथ ही सम्पूर्ण रिपोर्ट और डिजिटल पाठ्यक्रम टूल भी शुरू किए गए हैं। उन्होंने मंच पर मौजूद बच्चों को स्टेशनरी उपहार बांटे और बुनियादी साक्षरता को ''दान नहीं, बल्कि एक नैतिक कर्तव्य'' बताया।

विशिष्ट अतिथि, राज्यसभा सांसद (उत्तर प्रदेश) डॉ. दिनेश शर्मा ने कहा कि बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता (FLN) कौशल में अल्फ़ा (ALfA) शिक्षण विधियों के माध्यम से बड़ा सुधार किया जा सकता है। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में नए प्रयोगों के लिए देवी संस्थान के काम की सराहना की। उन्होंने बुनियादी शिक्षा को देश की प्रगति, मूल्य-आधारित शिक्षा और भारत के जनसांख्यिकीय लाभांश (डेमोग्राफिक डिविडेंड) से जोड़ा। उन्होंने एक ऐसा ''केजी-से-पीजी'' (KG-to-PG) रोडमैप बनाने की बात कही, जिसके केंद्र में गुणवत्ता और रोजगार हो।

श्री निक्सन जोसेफ

इससे पहले, देवी संस्थान के ग्रुप एग्जीक्यूटिव श्री निक्सन जोसेफ ने जम्मू-कश्मीर से केरल और मिजोरम से महाराष्ट्र तक, 18 राज्यों से आए प्रतिनिधियों का स्वागत किया। ये सभी प्रतिनिधि एक ही मकसद से इकट्ठा हुए थे। भारत के हर बच्चे को आत्मविश्वास और सम्मान के साथ पढ़ना, लिखना और बुनियादी गणित सिखाना। उन्होंने निपुण भारत मिशन के 2026-27 तक सार्वभौमिक एफएलएन (FLN) के लक्ष्य की याद दिलाई। उन्होंने बताया कि देवी संस्थान की अल्फ़ा (एक्सेलेरेटिंग लर्निंग फॉर ऑल) पद्धति को हार्वर्ड यूनिवर्सिटी ने उत्तर प्रदेश के शामली में एक बिना किसी विशेष क्रम के नियंत्रण की झलक के जरिए प्रमाणित किया है, जो इस समस्या का एक व्यावहारिक और बड़ा समाधान है।

एक विचारोत्तेजक और ज्ञानवर्धक संबोधन में, देवी संस्थान की संस्थापिका और सीईओ डॉ. सुनीता गांधी ने अल्फ़ा (ALfA) के सफर को रेखांकित किया। उन्होंने बताया कि शामली के 10 पायलट स्कूलों से शुरू हुआ यह सफर, जो हार्वर्ड का एक केस स्टडी बना, आज भारत के 14 राज्यों और दुनिया की 33 भाषाओं तक पहुँच चुका है। उन्होंने कहा कि भारत के चार राज्यों ने अल्फ़ा को पूरी तरह से अपना लिया है, और इस साल उत्तर प्रदेश के पांच नए एस्पिरेशनल (आकांक्षी) जिलों बहराइच, बलरामपुर, चित्रकूट, सिद्धार्थनगर और सोनभद्र को इसमें जोड़ा गया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि शिक्षक ही असली बदलाव लाने वाले हैं; अल्फ़ा उन्हें बस एक बेहतर जरिया देता है।

विशिष्ट अतिथि श्री पार्थ सारथी सेन शर्मा, आई.ए.एस. व अन्य के साथ डॉ. सुनीता गांधी, संस्थापिका देवी संस्थान

बैठक में कई पैनल चर्चाएं भी हुईं। पहले पैनल ने ''स्कूली शिक्षा में बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता (FLN) नीति को मजबूत करने, उसके क्रियान्वयन और जवाबदेही'' पर चर्चा की। इस चर्चा के मॉडरेटर देवी संस्थान के पार्टनरशिप डायरेक्टर और सेवानिवृत्त आईएएस डॉ. मधुकर गुप्ता थे। पैनलिस्टों में चंद्रशेखर बी (सीनियर प्रोग्राम ऑफिसर, समग्र शिक्षा कर्नाटक), सुश्री एंजेला जोथनपुइई (निदेशक, शिक्षा, मिजोरम), श्री बिजेश कुमार सक्सेना (उप निदेशक, शिक्षा, दिल्ली), सुश्री श्रीकला केएस (एएसपीडी, केरल), डॉ. शंकर कुमार (सहायक निदेशक, एससीईआरटी, पंजाब), डॉ. तनेया सिंह (कंसलटेंट, ग्रेड 1 स्कूली शिक्षा, नीति आयोग), श्री हर्षित मिश्रा (डिप्टी कमिश्नर, केवी संगठन, जम्मू-कश्मीर), श्री परमेंद्र सकलानी (अपर निदेशक, एससीईआरटी, उत्तराखंड) और सुश्री सैंड्रा एम. नोंगडीज (एसोसिएट प्रोफेसर और नोडल ऑफिसर, एफएलएन, मेघालय) शामिल थे।

मास्टर ट्रेनर टॉम डेलानी और मिलिता हलदर ने ''आरोही और अवरोही क्रम'' (घटते-बढ़ते क्रम) की एक गतिविधि का संचालन किया। इसमें प्रतिनिधियों ने कागज की पर्चियों (1, 3, 7) का उपयोग करके संख्याएं बनाईं और सभी छह संभावित तीन-अंकीय संयोजनों को क्रम में

मुख्य अतिथि श्री संदीप सिंह बच्चों के साथ

लगाया। इस सत्र ने दिखाया कि कैसे अल्फ़ा पद्धति बिना पेन या पेपर के स्थानीय मान की समझ, संख्या बोध और गणितीय तर्क को एक साथ विकसित करती है।

विशेष अतिथि, उत्तर प्रदेश के अपर मुख्य सचिव (आईएएस) श्री पार्थ सारथी सेन शर्मा ने अपने गहरे विचार व्यक्त करते हुए कहा कि शिक्षा ही मनुष्य को अन्य जीवों से श्रेष्ठ बनाती है और शिक्षा में नवाचार (इनोवेशन) तथा प्रयोगों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए।

आस पास की वस्तुओं से बने माडल की प्रदर्शनी

प्राथमिक विद्यालय चित्रकूट नगर, लखनऊ के बच्चों ने ऑडिटोरियम के मंच पर अल्फ़ा क्लासरूम का जीवंत प्रदर्शन किया। इसमें बच्चों ने रैंडम पेयरिंग (अचानक जोड़ियां बनाना), शिक्षक-छात्र प्रदर्शन, छात्र-छात्र प्रदर्शन और पूरी कक्षा द्वारा आपस में सीखने की प्रक्रिया को दिखाया।

दूसरी पैनल चर्चा का विषय था। ''एफएलएन को मजबूत करने में सीएसआर (CSR) की भूमिका- साझेदारी, प्राथमिकताएं और प्रभाव के प्रमाण'' इसका संचालन देवी संस्थान के ग्रुप एग्जीक्यूटिव श्री निक्सन जोसेफ ने किया। इसके पैनलिस्टों में सुश्री शीना गांधी (असिस्टेंट वाइस प्रेसिडेंट, बीएसई लिमिटेड), सविता मुंधे (हेड, सीएसआर, जेएसडब्ल्यू फाउंडेशन), श्री प्रकाश रेड्डी (संपादक और सीईओ, कॉर्पोरेट सोशल फोकस मैगजीन), श्री अनिल परमार (सीनियर वीपी, यूनाइटेड वे, मुंबई), प्रियंका बेहरा (निदेशक, समहिता-सीजीएफ), ऋषिका पुरी (सीएस और सीसीओ, एसबीआई फैक्टर्स लिमिटेड) और प्रीति मुंजाल (कार्यकारी निदेशक, आईइम्पैक्ट) शामिल थीं।

देवी संस्थान की चेयरपर्सन डॉ. भारती गांधी ने शिक्षा के उद्देश्य पर अपने व्यक्तिगत विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य ऐसे वैश्विक नागरिक तैयार करना है जो मूल्यों से जुड़े हों और एक अधिक मानवीय दुनिया के निर्माण में योगदान दे सकें। उन्होंने अपनी चिरपरिचित गर्मजोशी और हाजिरजवाबी के साथ उपस्थित लोगों को आशीर्वाद दिया और उनमें नई ऊर्जा भरी।

डॉ. भारती गांधी, चेयरपर्सन, देवी संस्थान

टॉम और मिलिता ने उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश और महाराष्ट्र के शिक्षकों के त्वरित अनुभवों (टेस्टीमोनियल्स) को प्रस्तुत किया। शिक्षकों ने अल्फ़ा को ''शिक्षक-अनुकूल'' बताया, क्लास में बच्चों के डर को दूर करने के लिए रैंडम पेयरिंग की तारीफ की और कहानियां साझा कीं कि कैसे पहले शांत रहने वाले बच्चे अब कक्षा में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। हिमाचल प्रदेश के एक शिक्षक ने मंच से एक पारंपरिक स्थानीय लोकगीत भी गाया।

तीसरे पैनल का संचालन देवी संस्थान के आउटरीच डायरेक्टर मेजर जनरल मनोज तिवारी (सेवानिवृत्त) ने किया। इसका विषय था - ''एफएलएन की ओर सीएसआर को प्रेरित करना- रणनीति, पैमाना और निरंतरता।'' पैनलिस्टों में श्री शाहिस्ता मोह. इकबाल (सीएसआर लीड, ग्लैक्सो स्मिथक्लाइन), डॉ. सुरेश रेड्डी (निदेशक, एसआरएफ फाउंडेशन), सुश्री अनुष्का बोनिया (सीएसआर लीड, जॉनसन मैथे, इंडिया), श्री कृष्ण कांत राय (संस्थापक और निदेशक, बीबीआईसी), श्री पुनीती बाली (एफएलएन और शिक्षा सलाहकार), श्री सुजीत रंजन (सीईओ, यूनाइटेड वे, दिल्ली), सुश्री अनामिका श्रीवास्तव (संस्थापक और सीईओ, डेवलपमेंट कंसोर्टियम) और डॉ. अरुण कुमार (उप निदेशक, गवर्नमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज इन एजुकेशन, राजस्थान) शामिल थे।

इसके बाद एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों (ठम्े), एसआरजी ै(त्ळ) सदस्यों, सरकारी अधिकारियों और सीएसआर भागीदारों को मंच पर सम्मानित किया गया। ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों को उनके शिक्षकों के बीच वितरित करने के लिए प्रमाण पत्र दिए गए। ताकि कक्षाओं में हर दिन बदलाव लाने वाले जमीनी कार्यकर्ताओं (शिक्षकों) के योगदान को सराहा जा सके।

रात्रिभोज से पहले एक सांस्कृतिक संगीत संध्या का आयोजन किया गया, जिसने एक व्यस्त और ऊर्जावान पहले दिन का शानदार समापन किया। देवी संस्थान की मुख्य संरक्षक डॉ. भारती गांधी ने देश भर से आए सभी प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद प्रस्ताव (वोट ऑफ थैंक्स) दिया।

सारा विश्व एक परिवार हमारा है! 2 दिवसीय शैक्षिक सभा लीडरशिप सर्किल 5 में पधारे प्रतिनिधि

देवी संस्थान द्वारा सीएमएस कानपुर रोड पर आयोजित

‘लीडरशिप सर्किल 5’ का द्वितीय दिवस

‘‘गुणवत्तापूर्ण शिक्षा विश्व का सर्वश्रेष्ठ निवेश है’’

डॉ. जोज़फ इमैनुअल, चीफ एक्सक्यूटिव व सेक्रेटरी, सीआईसीएसई

सभा को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि डॉ. जोसेफ इमैनुअल

चेयरपर्सन, देवी संस्थान डॉ. भारती गांधी सभा में पधारे विशिष्ट जनों के साथ

सभा को सम्बोधित करते हुए विशिष्ट अतिथि श्री पंकज चौधरी जी

शिक्षा की गुणवत्ता से कभी समझौता नहीं किया जा सकता। अन्यथा, छात्रों की एक पूरी पीढ़ी प्रभावित होती है। बुनियादी शिक्षा (Foundational learning) ही सभी तरह की शिक्षा की कुंजी है। डेटा बताते हैं कि हमें प्राथमिक स्तर पर बहुत कुछ करने की आवश्यकता है। आज मैंने मंच पर जो देखा, वह शिक्षा नीति (NEP 2020) के सिद्धांतों का क्रियान्वयन दर्शाता है।“ ये विचार सीआईसीएसई (CICSE) बोर्ड के मुख्य कार्यकारी एवं सचिव, डॉ. जोसेफ इमैनुएल ने व्यक्त किए। डॉ. इमैनुएल ने आगे कहा कि ”2009 के पीसा (PISA) प्रदर्शन (नीचे से दूसरा स्थान) में भारत की स्थिति इसलिए ऐसी थी क्योंकि शिक्षा वास्तविक जीवन से कटी हुई थी—ALfA इसे दोबारा जोड़ता है।“ डॉ. जोसेफ इमैनुएल ने इस मॉडल को देश की औपचारिक स्कूली प्रणाली में बड़े पैमाने पर लागू करने का पुरजोर आग्रह किया।

मुख्य अतिथि डॉ. जोसेफ इमैनुअल को सम्मानित करते हुए डॉ. सुनीता गांधी

डॉ. इमैनुएल सीएमएस कानपुर रोड ऑडिटोरियम में आयोजित ‘लीडरशिप सर्कल 5’ शैक्षिक सम्मेलन के दूसरे दिन मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। इस कार्यक्रम का आयोजन लखनऊ स्थित एक गैर-लाभकारी संगठन, देवी (DEVI) संस्थान की संस्थापक डॉ. सुनीता गांधी द्वारा किया गया था।

इससे पहले, देवी संस्थान के ग्रुप एग्जीक्यूटिव श्री निक्सन जोसेफ ने दर्शकों का अभिवादन किया और प्रबुद्ध मस्तिष्कों के इस गरिमामय सम्मेलन के दूसरे दिन उनका स्वागत किया। प्रगति की दहलीज पर देवी की यात्रा का एक वीडियो दिखाया गया। बीकेटी ब्लॉक के सरकारी स्कूल, सोरवा II में क्रियान्वित ALfA का सीधा प्रदर्शन (live demonstration) दिखाया गया, जिससे कार्यक्रम का आंतरिक दृश्य मिला और यह पता चला कि बच्चे इस अनूठी शिक्षण पद्धति से कितनी जल्दी सीखते हैं। यह उल्लेखनीय है कि देवी संस्थान उत्तर प्रदेश का पहला ऐसा एनजीओ बन गया है जो बीएसई (BSE) सोशल स्टॉक एक्सचेंज में पंजीकृत है, और यह रांची के सरकारी स्कूलों में ALfA के कार्यान्वयन के लिए जून तक सार्वजनिक बॉन्ड लाने की योजना बना रहा है।

भारत सरकार के वित्त राज्य मंत्री और यूपी भाजपा अध्यक्ष माननीय श्री पंकज चौधरी इस सम्मेलन में सम्मानित अतिथि थे। उनकी गरिमामय उपस्थिति और ज्ञानपूर्ण शब्दों ने प्रतिभागियों को बहुत प्रेरित किया। मंच पर कक्षा 2 के बच्चों को समाचार पत्र पढ़ते देख उन्होंने ALfA को ‘जादू की छड़ी’ कहा। उन्होंने राय व्यक्त की कि "FLN” केवल शैक्षणिक उपलब्धि नहीं है।यह आत्मविश्वास पैदा करता है, जो जीवन बदल देने वाला है।’’ उन्होंने शिक्षा को ‘‘खर्च’’ के बजाय ‘‘सबसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय निवेश’’ के रूप में परिभाषित किया। इसके अलावा, माननीय मंत्री ने सरकारी योजनाओं पर प्रकाश डाला रू 10,000+ अटल टिंकरिंग लैब (5,000 और आने वाली हैं), एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय, कन्या सुमंगला योजना (26 लाख से अधिक लड़कियों को लाभ), यूपी में 81 मेडिकल कॉलेज। जब एक गाँव का बच्चा पढ़ना सीखता है, तो वह केवल उस बच्चे का भविष्य नहीं बदलता, वह पूरे देश का भविष्य बदल देता है। उन्होंने पेशेवर विश्वसनीयता के प्रतीक के रूप में देवी संस्थान की बीएसई सोशल स्टॉक एक्सचेंज लिस्टिंग की सराहना की। सराहना के प्रतीक के रूप में, उन्होंने सभी बच्चों को व्यक्तिगत रूप से स्टेशनरी किट भेंट की।

विशिष्ट अतिथि श्री पंकज चौधरी जी का स्वागत करते हुए डॉ. सुनीता गांधी

भारत के विभिन्न राज्यों से आये प्रतिभागी FLN पुस्तक का विमोचन करते हुए

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण भारत के पहले एआई-संचालित हिंदी साक्षरता चैट बॉक्स ''पढ़ाई पालष'' (Padhai Pal) का एड-टेक लॉन्च था, जिसे पिछले 8 वर्षो से डॉ. सुनीता गांधी के साथ जुड़े ऑस्ट्रेलिया के विशेषज्ञ श्री टॉम डेलानी ने प्रस्तुत किया।

अल्फा क्लासरूम का प्रदर्शन

विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर इंद्राणी भादुड़ी (सीईओ और प्रमुख परख - PARAKH, प्रमुख शैक्षिक सर्वेक्षण प्रभाग, एनसीईआरटी, शिक्षा मंत्रालय) ने वीडियो संदेश के माध्यम से दिखाया कि श्परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण 2024श् के आंकड़े बताते हैं कि यूपी के FLN परिणाम सकारात्मक दिशा में बढ़ रहे हैं। उन्होंने समुदाय से 'आलोचना से परे जाकर सह-निर्माण' की ओर बढ़ने का आह्वान किया। ALfA इंडिया इम्पैक्ट रिपोर्ट ("FLN: What Works — India") लॉन्च की गई। इसका अनावरण डॉ. सुनीता गांधी ने एसपीडी (SPDs) और राज्य भागीदारों के साथ किया।

विभिन्न विषयों पर पैनल चर्चाएँ आयोजित की गईं जैसे, 'दुनिया का सबसे अच्छा निवेश' शिक्षा बनाम अन्य विकास प्राथमिकताएँ, डेटा से डिलीवरी, सरकारी प्रणालियाँ FLN परिणामों को कैसे गति दे सकती हैं; प्रभाव को कई गुना बढ़ाना, चेक से आगे सीएसआर - कॉर्पोरेट गिविंग रणनीतियों में FLN को शामिल करना। शिक्षा की ALfA प्रणाली पर एक प्रश्नोत्तरी और कैसे सुंदर हो हमारा गाँव पर एक संगीत कार्यक्रम आयोजित किया गया।

मास्टर ट्रेनर मिलिता हलदर ने ALfA बंगाली हैंड्स-ऑन सत्र का नेतृत्व किया। बंगाली का शून्य ज्ञान रखने वाले दो हिंदी भाषी स्वयंसेवकों ने ALfA के 'ज्ञात से अज्ञात' दृष्टिकोण का उपयोग करके मिनटों में बंगाली शब्द पढ़ना सीख लिया। इसके बाद पूरे ऑडिटोरियम (2,000+ लोग)

विशिष्ट अतिथि श्री पंकज चौधरी बच्चों को उपहार देते हुए

ने मिलकर बंगाली शब्द पढ़े। उन्होंने यह भी समझाया कि कैसे यही फोनिक्स विधि अंग्रेजी पढ़ने के द्वार खोलती है—"CAT" केवल C&A&T नहीं बल्कि श्ख-अ-टश ध्वनियाँ हैं। यह आयोजन रवींद्रनाथ टैगोर की जयंती (9 मई) के साथ हुआ। सत्र का समापन 'एकला चलो रे' के जोशीले सामूहिक गायन के साथ हुआ।

पैनल 4 का संचालन श्री निक्सन जोसेफ ने किया। यह 'दुनिया का सबसे अच्छा निवेश' शिक्षा बनाम अन्य विकास प्राथमिकताएँ' विषय पर आधारित था। प्रतिभागियों में सची कांत त्रिपाठी (आरएसबी फाउंडेशन) और अन्य शामिल थे।

पैनल 5 का संचालन डॉ. सुनीता गांधी ने 'डेटा से डिलीवरी सरकारी प्रणालियाँ FLN परिणामों को कैसे गति दे सकती हैं, विषय पर किया। भारत के विभिन्न हिस्सों के विद्वानों और शिक्षाविदों ने इस सत्र में भाग लिया और अपने विचार व्यक्त किए।

पैनल 6 का संचालन डॉ. मधुकर गुप्ता (सेवानिवृत्त आईएएस) ने किया। विषय था ष्चेक से आगे सीएसआर कृ कॉर्पोरेट गिविंग रणनीतियों में थ्स्छ को शामिल करना।ष डॉ. अर्चना मित्तल, मुरली वल्लीवेती (GETA); मोहम्मद असीम खान (Cadence); संजीब कुमार दास (बंधन ग्रुप); हर्षित मिश्रा (केवी संगठन) और अन्य ने इस सत्र में अपने विचार दिए। मुख्य संदेश डॉ. सुनीता गांधी द्वारा दिया गया, जिन्होंने सूचित किया कि हिमाचल प्रदेश में 15,000 शिक्षकों को लगभग शून्य लागत पर ऑनलाइन प्रशिक्षित किया गया। ष्+1 साक्षरताष वास्तविकता है। सीएसआर को उस पर निवेश करना चाहिए जो वास्तव में प्रभावी है, न कि उस पर जो केवल दिखाई देता है।

लीडरशिप सर्किल 5 में आये अतिथियों का अभिवादन करते हुये देवी संस्थान की चेयरसर्पन डॉ. भारती गांधी

तेलुगु FLN पुस्तक लॉन्च का आयोजन किया गया जिसमें देवी संस्थान ने अपने साक्षरता टूलकिट के तेलुगु भाषा संस्करण का अनावरण किया, जिसमें तेलंगाना टीम ने सांस्कृतिक 'बथुकम्मा' पुष्प प्रदर्शन के साथ जश्न मनाया। इसके बाद सम्मान समारोह आयोजित किया गया। सभी प्रतिभागी राज्यों - जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, झारखंड, तेलंगाना और यूपी के सभी जिलों के उत्कृष्ट स्कूलों और प्रतिनिधियों को मॉडल स्कूल प्रमाणपत्र और स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए।

ALfA को बड़े पैमाने पर लागू करने के लिए कई प्रतिबद्धताएं की गईं कृ जम्मू-कश्मीर राज्य भर में विस्तार कर रहा है, उत्तराखंड 3-जिलों के पायलट प्रोजेक्ट की ओर बढ़ रहा है, और कई सीएसआर प्रतिबद्धताएं शुरू की गईं।

समापन गीत ''आ ऊ, कैसा सुंदर हो हमारा गाँव'' के साथ एक संगीत प्रस्तुति दी गई जिसे बहुत सराहा गया, इसके बाद मंच पर बच्चों द्वारा ''स्कूल चलो'' गीत प्रस्तुत किया गया।

देवी संस्थान की संस्थापिका डॉ. सुनीता गांधी ने विशिष्ट अतिथियों, सरकारी अधिकारियों और प्रतिभागियों को उनके सहयोग और योगदान से कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि यह शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण के विस्तार की दिशा में एक निश्चित कदम है।

देवी संस्थान द्वारा आयोजित लीडरशिप 5 की मुख्य संरक्षक डॉ. भारती गांधी ने शिक्षा को नई दिशा देने के लिए प्रतिभागियों को बधाई दी और अंतिम धन्यवाद प्रस्ताव (Vote of Thank) प्रस्तुत किया।